Nai Dunia (Indore), 25th Ocotber 2022, Page-02

आइआइटी इंदौर में फिर होगी विद्यार्थियों की चहल-पहल

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना महामारी के कारण करीब तीन वर्ष से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर की नियमित कक्षाएं पूरी क्षमता के साथ शुरू नहीं हो पाई थीं। लाकडाउन में शिक्षण पूरी तरह आनलाइन पद्धति से हुआ। अब कोरोना संक्रमण भी लगभग खत्म हो गया है। नए विद्यार्थी आने वाले हैं। इसके चलते पहले की तरह परिसर में विद्यार्थियों की चहल-पहल देखने को मिलेगी। कई विद्यार्थी होस्टलों से अपने घर चले गए थे। अब वे भी लौट रहे हैं। 27 अक्टूबर को संस्थान में नए विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दिन विद्यार्थियों के साथ माता-पिता को भी परिसर में आमंत्रित किया गया है।

संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी विद्यार्थियों और माता-पिता को संबोधित करेंगे। नालंदा परिसर में होने जा रहे कार्यक्रम में करीब एक हजार विद्यार्थी और माता-पिता एकत्रित होंगे। दस्तावेजों की प्रक्रिया के साथ ही होस्टल के अलाटमेंट और अन्य प्रक्रिया भी अक्टूबर में पूरी हो जाएगी। आइआइटी इंदौर के विभिन्न कोर्सेस में करीब दो हजार विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। इसमें से ज्यादातर विद्यार्थी परिसर के अंदर बने होस्टलों में रहते हैं। परिसर के अंदर ही शापिंग, जिम, मेस, बैंक और सभी तरह की सुविधाएं मौजूद होने के बाद अब माता-पिता भी चाहते हैं कि विद्यार्थी परिसर में रहकर ही पढ़ाई करें।

कार्यक्रम में शामिल होने वालों के लिए साझा की जानकारी

प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने और ओरिएंटेशन कार्यक्रम में शामिल होने वाले विद्यार्थियों और परिवार के सदस्यों के लिए आइआइटी इंदौर ने सिमरोल स्थित अपने परिसर के आसपास रहने की सुविधा की जानकारी भी साझा की। इसमें आसपास के पास स्थानों की जानकारी गूगल मैप और फोन नंबर और आइआइटी से कौन सी जगह कितनी दूर है, इसकी भी जानकारी दी गई है।